RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 05 जुलाई 2023 वर्ष 05 अंक 73 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

अजित पवार के सत्ता में आने के बाद पहली कैबिनेट बैठक

बैठक में राज्य की ग्रीन हाइड्रोजन नीति की घोषणा की गई

एकनाथ शिंदे, देवेन्द्र फडणवीस, अजित पवार शामिल हुए... 8 अहम फैसले हुए

मुंबईः एकनाथ शदि सरकार में शामिल होने के बाद अजित पवार ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद महज 48 घंटे में राज्य कैबिनेट की पहली बैठक हुई। इस दौरान कैबिनेट ने आठ अहम फैसले लिए। राज्य की ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी की घोषणा करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य बन गया है। विदेशी उच्च शिक्षा के लिए मराठा, कुनबी छात्रों के लिए सयाजीराव गायकवाड़ - सारथी छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की गई। एकनाथ शदि सरकार के एक साल पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को 'सुराज्य के प्रथम वर्ष' लोकराज्य पत्रिका के विशेषांक का विमोचन किया गया। जो कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने कैबिनेट बैठक में की। इस अवसर पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्य उपस्थित थे। विडंबना यह है कि सरकार के पहले साल में विपक्ष के नेता के तौर पर शिंदे-फडणवीस सरकार की आलोचना करने वाले अजित पवार अब सरकार में शामिल हो गए हैं और उपमुख्यमंत्री पद पर काबिज हो गए हैं। इसके अलावा साल भर के महत्वपूर्ण निर्णयों की समीक्षा करने वाली पुस्तक 'पहिले वर्ष सुराजयचे' भी उनकी ओर से प्रकाशित की गई।

राज्य कैबिनेट की बैठक में क्या फैसले?

1. राज्य की ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी की घोषणा। महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अधिक प्रोत्साहन (ऊर्जा विभाग)
2. सयाजीराव गायकवाड़ – मराठा, कुनबी छात्रों के लिए विदेश में उच्च शिक्षा के लिए सारथी छात्रवृत्ति योजना। हर वर्ष 75 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति (योजना विभाग)
3. डिंडोरी तालुक के चिमनपाड़ा और त्र्यंबक तालुक के कलमुस्टे में धारा परिवर्तन योजनाओं को मंजूरी। (जल संसाधन विभाग)
4. नागपुर में एम. शिवराज फाइन आर्ट लिथो वर्क्स के कर्मचारियों को सरकारी सेवा में शामिल किया जाएगा (उद्योग विभाग)
5. सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश, न्यायाधीशों या उनके जीवनसाथियों को सेवानिवृत्ति के बाद के लाभ (विधि एवं न्याय विभाग)
6. सिंधुदुर्ग जिले में अंबोली, गेले और चौकुल की स्वीकृत गावकर भूमि के संबंध में निर्णय। (राजस्व विभाग)
7. नागपुर कृषि महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय कृषि सुविधा केंद्र (कृषि विभाग)
8. मछली बीज उत्पादन एवं मछली बीज संरक्षण केन्द्रों की लीज अवधि को अब 25 वर्ष तक बढ़ाया गया

मीरा रोड स्टेशन से माहिम में नव स्थापित एस्केलेटर स्थानांतरित किया गया

मुंबई : मीरा रोड स्टेशन से एक प्लेटफॉर्म एस्केलेटर को स्टेशन नवीनीकरण परियोजना के एक भाग के रूप में 26 किमी दूर माहिम में स्थानांतरित कर दिया गया है। माहिम में नव स्थापित एस्केलेटर का शुक्रवार सुबह स्थानीय स्तर पर उद्घाटन किया गया। मुंबई रेल विकास निगम (एमआरवीसी) वर्तमान में मीरा रोड स्टेशन के उन्नयन पर काम कर रहा है, जिसमें एक व्यापक प्लेटफॉर्म सहित नया बुनियादी ढांचा होगा; व्यापक, जुड़े हुए फुट ओवरब्रिज; एक ऊंचा डेक; और नए एस्केलेटर। चूंकि एस्केलेटर काम के रास्ते में आ रहा था, इसलिए इसे तोड़ दिया गया, ले जाया गया और माहिम स्टेशन पर फिर से जोड़ा गया।

मीरा रोड स्टेशन पर कार्य की योजना बनाई गई

- प्लेटफार्म एक को 6 मीटर से 10 मीटर तक चौड़ा करना
- प्लेटफार्म एक पर 240 मीटर लंबा और 10.50 मीटर चौड़ा डेक बनाना
- पांच एस्केलेटर और तीन लिफ्ट स्थापित करना।
- 10 मीटर चौड़ा और 65 मीटर लंबा एफओबी का निर्माण
- 23 मीटर चौड़ा और 50 मीटर लंबा एफओबी का निर्माण
- 6 मीटर चौड़े एफओबी को तोड़ना
- स्टेशन स्टाफ, अन्य कार्यालयों/लांजों का निर्माण

एसआईटी ने 12,024 करोड़ रुपये के बीएमसी घोटाले की प्रारंभिक जांच शुरू की,

एसआईटी का नेतृत्व मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर करेंगे।

संयुक्त पुलिस आयुक्त (आर्थिक अपराध शाखा), डीसीपी

मुंबई : बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 12,024 करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं की जांच के लिए सौंपी गई विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मामले में तीन प्रारंभिक जांच (पीई) शुरू की है। एसआईटी का गठन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के आधार पर महाराष्ट्र सरकार की कार्रवाई के बाद हुआ. एसआईटी में मुंबई पुलिस आयुक्त, और एसीपी शामिल हैं। टीम ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए तीन पीई दायर की हैं। मार्च में उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश की, जिसमें विभिन्न अनियमितताओं को उजागर किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि, कोविड-19 महामारी के दौरान अनियमितताओं के अलावा, दो अलग-अलग विभागों की 20 परियोजनाओं को निविदा प्रक्रिया से गुजरे बिना आवंटित किया गया था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सीएजी रिपोर्ट की गहन जांच की जाएगी और बीएमसी से संबंधित निविदा दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड प्राप्त किए जाएंगे। निष्कर्षों के आधार पर, आपराधिक मामला शुरू करने पर निर्णय लिया जाएगा। मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसलकर के नेतृत्व में एसआईटी में संयुक्त पुलिस आयुक्त (ईओडब्ल्यू) निशित मिश्रा और डीसीपी संग्राम सिंह निशानदार भी शामिल हैं।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

पटना से बेंगलुरु

विपक्षी दलों की अगली बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में होने की जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भले ही यह कह रहे हों कि महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ, उसका इस बैठक पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन यह तो संभव ही नहीं कि विपक्षी दल शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुई टूट से अप्रभावित रहें। शरद पवार केवल महाविकास आघाड़ी को दिशा देने का ही काम नहीं कर रहे थे, बल्कि वह महाराष्ट्र की तर्ज पर राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों में एका की कोशिश भी कर रहे थे। वह उन नेताओं में प्रमुख थे, जिन पर अन्य दलों के साथ कांग्रेस भी विपक्षी एकता को मजबूत बनाने के लिए भरोसा कर रही थी।

राकांपा में टूट के बाद न केवल शरद पवार राजनीतिक रूप से कमजोर हो गए हैं, बल्कि महाविकास आघाड़ी भी। वास्तव में शरद पवार के भतीजे अजीत पवार का विद्रोह न केवल महाविकास आघाड़ी के लिए आघात है, बल्कि कांग्रेस के लिए भी। लोकसभा सीटों की दृष्टि से देश के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण राज्य महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के मोर्चे में बिखराव भाजपा विरोधी दलों को एकजुट करने की मुहिम को झटका देने वाला है। भले ही राकांपा में टूट के बाद कांग्रेस की अन्य विपक्षी दलों के साथ सौदेबाजी की क्षमता बढ़ गई हो और वह उनकी इस पहल को कमजोर करने में भी समर्थ हो गई हो कि उसे कम से कम सीटों पर चुनाव लड़ना चाहिए, लेकिन ऐसे दल गिनती के ही हैं, जो उसे कुछ दे सकने की स्थिति में हैं। विपक्षी एकता के सबसे बड़े पैरोकार नीतीश कुमार बिहार में कांग्रेस को इसलिए ज्यादा कुछ देने की स्थिति में नहीं, क्योंकि वहां सबसे बड़ा दल राष्ट्रीय जनता दल है। सच तो यह है कि खुद नीतीश कुमार उसी पर आश्रित हैं। विपक्षी एकता की मुहिम में शामिल अन्य नेताओं में से ममता बनर्जी यह नहीं चाह रही हैं कि कांग्रेस बंगाल में अपनी जड़ें जमाने की कोशिश करे। उन्होंने तो यह शर्त भी लगा दी है कि कांग्रेस से तभी बात बन सकती है, जब वह वामदलों से दूरी बनाए। यह शायद न कांग्रेस को स्वीकार होगा और न ही वाम दलों को।

एक समस्या यह भी है कि केरल में सत्तारूढ़ वाम दलों के नेता कांग्रेस से मेल-मिलाप के लिए इच्छुक नहीं, क्योंकि वहां उनका मुकाबला उससे ही है। जो अन्य विपक्षी नेता पटना बैठक में शामिल हुए, वे भी अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस को अहमियत देने के लिए तत्पर नहीं। कांग्रेस की समस्या केवल इतनी ही नहीं है। वह विपक्षी दलों और साथ ही देश की जनता को आकर्षित करने वाला कोई विमर्श भी खड़ा कर पाने में नाकाम है। उसने समान नागरिक संहिता पर जो अड़ियल रवैया अपनाया, उससे कई विपक्षी दल सहमत नहीं दिख रहे हैं। इनमें महाविकास आघाड़ी में शामिल शिवसेना का उद्धव गुट प्रमुख है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई में 500 ग्राम कोकीन के साथ दो गिरफ्तार...

हैदराबाद में भी करोड़ों की हेरोइन के साथ पकड़ी गई विदेशी महिला

मुंबई : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) ने मुंबई के कोरियर टर्मिनल पर कोस्टारिका से आए लकड़ी के समान की खेप से पांच करोड़ रुपये मूल्य की 500 ग्राम कोकीन को जब्त किया है। इस मामले में एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस खेप को डीआरआइ की मुंबई जोनल इकाई ने 28 जून को जब्त किया था।

लकड़ी के सामान के साथ रखा गया था कोकीन

जांच में पाया गया कि इसे एक अस्पष्ट पते पर मंगाया गया था। पकड़े जाने से बचने के लिए कोकीन को छोटे-छोटे पाउच में लकड़ी के सामान के साथ रखा गया था। 56 पाउच में कुल 500 ग्राम कोकीन थी। इसके अंदर एक मोबाइल नंबर लिखा मिला था। डीआरआइ की टीम ने मोबाइल नंबर पर जब फोन किया तो इसे एक लड़की ने उठाया। पूछे जाने पर उसने खेप के बारे में जानकारी होने से इन्कार कर दिया। इसके बाद टीम ने केवाईसी दस्तावेजों की जांच की तो एक और मोबाइल नंबर मिला। इस नंबर पर फोन उठाने वाले व्यक्ति ने इस पार्सल को लेने की हामी भरी। बाद में जब वह खेप लेने आया तो उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ के बाद उसकी महिला सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपितों के मोबाइल फोन डेटा में इससे संबंधित साक्ष्य पाए गए हैं।

दो किलोग्राम हेरोइन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

हैदराबाद एयरपोर्ट से एक विदेशी महिला को दो किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद हेरोइन की कीमत लगभग 14 करोड़ रुपये बताई गई है। एक अधिकारी ने कहा कि वह दो जुलाई को केन्या से यहां पहुंची थी। सीमा शुल्क विभाग ने कहा है कि यात्री के सामान की जांच करने पर उसमें कुछ पैकेट मिले। इन्हें खोलने पर हेरोइन बरामद की गई।

मुंबई-आगरा हाईवे पर ट्रक ने 3 गाड़ियों को मारी टक्कर, फिर होटल में जा घुसा, 10 की मौत

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के धुले में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 से ज्यादा लोग इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक मुंबई-आगरा हाइवे पर पलासनेर गांव के पास एक कंटेनर ने बस स्टैंड के पास खड़ी तीन गाड़ियों को टक्कर मार दी। इसके बाद वह होटल में जा घुसा।पुलिस के मुताबिक हादसा दोपहर 12 बजे के करीब हुआ है। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। कंटेनर मध्य प्रदेश से धुले की तरफ जा रहा था। तभी अनियंत्रित होकर उसने तीन गाड़ियों को टक्कर मारी फिर बस स्टैंड के पास होटल में जा घुसा।

NCP के नए ऑफिस का उद्घाटन किये उपमुख्यमंत्री अजित पावर

मुंबई : NCP के पूर्व कद्दावर नेता महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार थोड़ी देर में मुंबई में मंत्रालय के पास NCP पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किये। जानकारी दें कि, महाराष्ट्र में बीते रविवार की दोपहर से महाराष्ट्र का सियासी माहौल गर्मा गया जब अजित पवार ने NCP को छोड़कर शिंदे सरकार में शामिल हो गए हैं। बुन्होने न केवल खुद राज्य के उपमुख्यमंत्री की शपथ ली बल्कि उनके साथ कुल 9 सहयोगियों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है।

यह भी खबर है कि, NCP के कम से कम 40 विधायक कथित तौर पर अजित पवार का समर्थन कर रहे हैं, जिन्होंने बीते रविवार को उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की। उनके आठ साथी नेताओं ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। सूत्रों ने राजभवन को सौंपे गये एक पत्र के हवाले से बताया कि अजित पवार को NCP के कम से कम 40 विधायकों का समर्थन है। अब देखा जाए तो BJP के 105 और अजित पवार का समर्थन कर रहे राकांपा के 40 विधायकों के साथ आ जाने से इनका संयुक्त संख्या बल 145 हो गया है। इस तरह, BJP, शिंदे नीत शिवसेना के समर्थन के बगैर भी सरकार के अस्तित्व को बचा सकती है। कांग्रेस के 45 और शिवसेना (यूबीटी) के 17 विधायक हैं। यह भी जानकारी दें कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में राकांपा ने 54 सीट पर जीत दर्ज की थी।

महावितरण के खुले डीपी बॉक्स ने ली युवक की जान!

पिता ने विजली विभाग पर लगाया आरोप

नालासोपारा : तुलिंज पुलिस स्टेशन क्षेत्र के प्रगति नगर इलाके में रविवार रात महावितरण के खुले डीपी वॉक्स से हाथ लगने से एक 33 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक के पिता का कहना है कि महावितरण कंपनी की लापरवाही से उनके वेंटे की जान गई है। ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया हे। वता दें कि पिछले सप्ताह सांसद राजेन्द्र गावित ने पिछले दिनों वसई में महावितरण कंपनी के अधिकारियों के साथ विजली समस्याओं को लेकर बैठक की थी।गावित ने मुख्य अभियंता संजय खंदारे को शहर में खुले पड़े डीपी बॉक्स, ट्रांसफॉर्मर को सेफ्टी का आदेश दिया था। उस वक्त खंदारे ने कहा था कि इस वार वारिश में कोई हादसा न हो, उसके लिए हमारी ओर से खुले डीपी बॉक्स व ट्रांसफॉर्मर को दुरुस्त करने का कार्य चल रहा है। मुख्य अभियंता के वादे के वाद भी यह हादसा हो गया। प्रगति नगर स्थित प्रशांत सोसायटी निवासी आशीष द्वारकानाथ शर्मा (33) रविवार रात 9 वजे घर से सम्राट विल्डिंग में किसी काम से जा रहा था। जैसे ही वह विल्डिंग के नजदीक पहुंचा, तभी उसकी चप्पल स्लिप होने से वह गिर गया और उसका हाथ वहां खुले पड़े महावितरण के डीपी वॉक्स से छू गया। इससे उसकी मौत हो गई। पिता द्वारकानाथ शर्मा ने वेटे की मौत के लिए विजली विभाग को जिम्मेदार ठहराया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 05 जुलाई 2023

पानी को लेकर अलर्ट मोड़ में NMMC, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का किया जाएगा निरीक्षण

नवी मुंबई : पानी बचाने और भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा हर स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रयास के तहत महानगरपालिका कमिश्नर राजेश नार्वेकर ने महानगरपालिका क्षेत्र में 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में बनी इमारतों में डेवलपर्स द्वारा स्थापित रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम चालू हैं या नहीं, इसका निरीक्षण करने का निर्देश महानगरपालिका के संबंधित विभाग को दिया है। महानगरपालिका कमिश्नर राजेश नार्वेकर ने बताया कि जिन भूखंडों पर उपरोक्त व्यवस्था लागू नहीं की गई है, उन भूखंडों पर डेवलपर और सोसायटी धारकों पर सरकारी नियमों के अनुसार प्रति 100 वर्ग मीटर पर प्रति वर्ष 1000 रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि साल 2010 से नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल पर बनी करीब 1,800 इमारतों को अब तक ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट (डउ) दिया गया है। इन इमारतों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम काम कर रहा है या नहीं इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ जमीन में पानी का स्तर कम हो रहा है। दूसरी ओर बारिश में देरी के कारण राज्य भर के लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता है। जिसे गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार ने पानी की बचत और वर्षा जल संचयन जैसी परियोजनाओं पर जोर दिया है। जिस पर नवी मुंबई महानगरपालिका अमल कर रही है।

वऊढफ अलग-अलग नियम किए गए हैं शामिल

गौरतलब है कि राज्य में 3 दिसंबर 2020 से नए सिरे से लागू किए गए एकीकृत विकास नियंत्रण एवं संवर्धन नियम में बारिश के पानी के संचय के लिए अलग-अलग नियम शामिल किए गए हैं। इस रेगुलेशन में मानसून के दौरान गिरने वाले पानी का भंडारण और योजना कैसे बनाई जाए, इसका विवरण दिया गया है। यूडीसीपीआर में उल्लेखित नियमों के अनुसार, 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल के भूखंड विकसित करने की अनुमति देते हुए, मानसून के मौसम के दौरान गिरने वाले पानी को संग्रहित करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसलिए उक्त भूखंड पर भवन निर्माण के लिए अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करने से पहले यह सुनिश्चित करने के बाद ही अधिभोग प्रमाण पत्र जारी करने को कहा गया है।

डेवलपर्स या सोसायटी मालिक नहीं कर रहे निगरानी

उक्त मामले नवी मुंबई महानगरपालिका प्रशासन को पता चला है कि इमारत का अधिभोग प्रमाण पत्र (डउ) प्राप्त करने के बाद संबंधित डेवलपर्स या सोसायटी मालिकों द्वारा रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम की कोई निगरानी नहीं की जाती है। वर्षा जल संचयन प्रणाली

भ्रष्टाचार के आरोप में सहायक आयुक्त निलबिंत...

हाउस टैक्स के 46 लाख रुपये ब्याज पर देने का है ऑरोप

विरार: वसई-विरार मनपा (वीवीएमसी) के प्रभाग सी के सहायक आयुक्त गणेश पाटील को मनपा आयुक्त अनिल कुमार पवार ने सोमवार को निलंबित कर दिया है। आरोप है कि पाटील ने मनपा के हाउस टैक्स के लाखों रुपये ब्याज. पर दिए थे। आयुक्त ने इस मामले में पहले उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इससे पहले आयुक्त ने टैक्स अधीक्षक को निलंबित किया था। जानकारी के अनुसार, वीवीएमसी प्रभाग समिति सी (चंदनसार) के सहायक आयुक्त गणेश पाटील व हाउस टेक्स विभाग अधिकारी अरुण एल. जानी पर आगेप है कि उन्होंने 18 मार्च से 16 मई 2023 में जो हाउस टैक्स की रकम 72 लाख जमा की गई थी, वह मनपा के खाते में जमा नहीं कराई और उसमें से 46 लाख रुपये ब्याज पर दे दिए। इस मामले की जानकारी जब आयुक्त अनिल कुमार पवार को हुई तो उन्होंने तत्काल अरुण एल. जानी को निलविंत कर दिया।

चार महीने पहले शुरू हुए वसार्वा खाड़ी पुल का यह है हाल

मुंबई- अहमदाबाद हाइवे की रफ्तार पर गड्ढों ने लगाया ब्रेक

2 लगभग 247 करोड़ रुपये की लागत से यह पुल पाच साल में बनकर तैयार हुआ

वसईः मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर भाईदर खाड़ी पर बनाया गया नया वसोर्वा पुल मॉनसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। पिछले दिनों हुई तेज बारिश से इस पुल पर जगह- जमह गहढे बन गए है। गड्ढों की वजह से यहां भारी रैंफि क जाम लग रह है, जिससे वहनचालको की परेशानी बढ़ गई है। लगभग तीन महीने पहले ही इस पुल को आयागमन के लिए खोल गया था। मॉनसून की पहली बारिश में ही भाईदर खाड़ी पर बनाया गया नया चसोंज पुल की सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। लोगों ने इस सड़क निर्माण की गुणवंत्र पर सबल उठाए हैं। बारिश में इस ब्रिज पर बने गड्टों में पानी भर जाने से तेज रफ्जर याहनों के दुर्घटनागस्त होने की संभावना बनी रहती है। हल ही में 28 मार्च 2023 को ही इस नए पुल को आकगमन के लिए खोल गया था। बता दें कि इस हाइवे पर मुंबई से मुजसत की दिशा में जाने के लिए एक पुराना पुल है, लेकिन यहा दरारें आ गई थीं, जिसके कारण कई बार उसकी मरम्मत की गई। पुराना पुल काफी संकरा है, जिसके कारण यहा हमेशा भारी ट्रैफिक जाम की समस्या होती है। पांच साल में बन कर तैयार हुआ नया पुलः पुस]ने पुल पर बार-बार दरारें आने एवं ट्रैफि क जाम की समस्या से निपटने के लिए राज्य य केंद्र सरकार ने मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर तीसरे चार लेन वल नया पुल बनाने का फैसला लिया था। 10 जनऊरी 208 को इस नए पुल का भूमिपूजन हुआ था। लगभग 247 करोड़ रुपये की लागत से यह पुल पांच साल में बनकर तैयार हुआ।

हालांकि पुल का शुभारंभ करने से पहले ही सांसद राजन विचारे और राजेंद्र गाकित ने इसकी गुणवत्ता को लेकर साल उठाए थे । इसके बावजूद शिकायत्तों की अनदेखी को गई। मार्च में गुजरात की ओर जाने वाले वाहनों के लिए इस पुल से जगमन शुरू कर दिया गया। पहली ही बारिश में इस पुल पर बड़े-बड़े गछ्ढें बन गए हैं। इसकी वजह से नया पुल फिर से विवादों में आ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल निमाण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है।

वसई-विरार मनपा मे ठेका कर्मियों के समर्थन में सर्वदलीय आंदोलन

नगर परिषद के समय से काम कर रहे हैं ठेका कर्मी

मनपा में छह हजार से अधिक कर्मचारी करते हैं ठेके पर काम

कर्मियों को डर है कि उन्हें कभी भी नौकरी से निकाल दिया जाएगा

विरार: वसई-विरार महानगर पालिका के विभिन्न विभागों में ठेके पर काम करनेवाले कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग को लेकर सोमवार को सभी राजनीतिक दलों की ओर से मनपा मुख्यालय पर धरना [प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों का कहना ` है कि पिछले कई साल से हजारों कर्मचारी ठेके पर कार्यरत हैं उन्हें परमानेंट करने और पैरोल पर लेने की मांग कई साल से हो रही हे, लेकिन प्रशासन उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है। सर्वदलीय विरोध प्रदर्शन में चार से पांच हजार कर्मचारी मौजूद थे। कई बार निकाल चुके हैं मोर्चाः वता दें कि वसई-विरार मनपा में लगभग छह हजार से अधिक कर्मचारी ठेके पर काम करते हैं। इनमें कई कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो नगर परिषद के कार्यकाल से ही नौकरी कर रहे हैं। ठेका कर्मियों को डर है कि उन्हें कभी भी नौकरी से निकाला जा सकता हे। इन्हें परमानेंट करने की मांग को लेकर कामगार संगठनों, राजनीतिक पार्टियां और ठेका कर्मचारी कई वार विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन ने उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है।

फिर मिला आश्वासन

विरार पश्चिम में म्हाडा ग्राउंड से निकाला गया यह विरोध प्रदर्शन मनपा मुख्यालय तक पहुंचा। इस दौरान मनपा के अतिरिक्त आयुक्त स्मेश मनाले ने आश्वासन दिया कि इस विषय पर जल्द ही वातचीत कर ठोस निर्णय लिया जाएगा। इस विशेध प्रदर्शन में वविआ के विधायक क्षितिज ठाकुर, प्रथम महापौर राजीव पाटील, पूर्व महापौर प्रवीण शेट्टी, उद्धव ठाकरे गुट के शिगरैष चव्हाण, मनसे के पूर्व नगरसेवक प्रफूल्ल पाटील, एनसीपी जिलाध्यक्ष राजाराम मुलिक, आरपीआई के ईश्वर चुले, बीजेपी के जिलाध्यक्ष राजन नाईक सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 05 जुलाई 2023

भिवंडी शहर के सड़कें हुई गड्ढों में तब्दील, पानी में बहे लाखों रुपए...

भिवंडी : पावरलूम नगरी भिवंडी शहर में सड़कों पर हुए भारी भरकम गड्ढों के कारण '9 दिन चले अढ़ाई कोस' की कहावत चरितार्थ हो रही है। एक माह पूर्व ही भिवंडी महानगरपालिका द्वारा सड़कों पर हुए गड्ढों की भराई का काम युद्धस्तर पर किया गया था। आश्चर्यजनक है कि करीब एक सप्ताह से शुरू रुक-रुक कर हो रही भारी बारिश से गड्ढों की भराई में प्रयुक्त हुई लाखों रुपए की सामग्री गड्ढों से निकलकर बह गई है। शहर की सभी सड़कें गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। शहर की सड़कों पर वाहन तो छोड़िए पैदल चलना भी जान को जोखिम में डालने के समान है। शहर के नागरिक महानगरपालिका द्वारा भरे गए गड्ढों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवालिया निशान उठा रहे हैं। गौरतलब है कि भिवंडी महानगरपालिका द्वारा बारिश के पूर्व सड़क पर हुए तमाम गड्ढों की भराई की गई थी। महानगरपालिका द्वारा तमाम सड़कों, फ्लाईओवर पर हुए गड्ढों की भराई में लाखों रुपए खर्च किए गए जाने के बावजूद करीब एक सप्ताह से हुई रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश से भरे हुए गड्ढों में डाली गई सामाग्री निकलकर बह गई और सड़क पर सिर्फ गड्ढे ही गड्ढे दिखाई पड़ रहे हैं।

शहर की सभी सड़कें हुई गड्ढों में तब्दील

एक सप्ताह से रुक-रुक कर जारी मूसलाधार

बारिश की वजह से शहर के समस्त प्रमुख मार्ग पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो चुके हैं। गड्ढों में गिरकर लोग हाथ-पैर तोड़ कर उपचार की मजबूरी झेल रहे रहे हैं। भिवंडी में सड़कों में गड्ढे या गड्ढों में सड़क कहना बेहद मुश्किल है। शहर स्थित ओल्ड मुंबई-आगरा रोड, दीवान शाह मार्ग, अजंता कंपाउंड, तीन बत्ती, मंडई, खड़क मार्ग, शांति नगर रोड, गुलजार नगर मार्ग, खान कंपाउंड रोड, हनुमान टेकरी मार्ग, कामतघर मार्ग, आशीर्वाद नगर मार्ग सहित धामनकर नाका फ्लाईओवर,बंजार पट्टी नाका फ्लाईओवर पर जगह-जगह हुए जानलेवा गड्ढों की वजह से लोग जान हथेली पर लेकर यात्रा करने को विवश हैं। बाइक सवार गड्ढों में गिरकर हाथ-पांव तोड़ रहे हैं और चार पहिया सवार गड्ढों की वजह से हिचकोले खा रहे हैं।

शहरवासियों का कहना है कि भिवंडी शहर में कोई भी सड़क ऐसी नहीं जिस पर जानलेवा गड्ढों की भरमार न हो। भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन गड्ढों की मरम्मत में लाखों रुपए खर्च करती है, बावजूद एक-दो बारिश में ही गड्ढे जस के तस दिखाई पड़ने लगते हैं। लोगों का आरोप है कि महानगरपालिका द्वारा गड्ढों की भराई में घटिया मटेरियल का उपयोग करने की वजह से कुछ दिन में ही गड्ढे फिर बन जाते हैं। शहर के सभी मार्गों पर जानलेवा गड्ढों की वजह से वाहनों को बेहद धीमी गति से चलाने की मजबूरी के कारण ही शहर में चहुँओर भारी ट्रैफिक जाम लगा रहता है। दुपहिया, चार पहिया वाहन चालक सहित इमरजेंसी सेवाएं चाह कर भी गड्ढों की वजह से वाहनों को तेज गति से ले जाने में बेहद कठिनाई झेलते हैं। सड़क पर भारी भरकम गड्ढों के कारण वाहन रेंग-रेंग कर चलते दिखाई पड़ते हैं, जिससे समूचा शहर ट्रैफिक जाम की चपेट में फंसा रहता है। भिवंडी में 10 मिनट की दूरी को भी तय करने में घंटों लग रहे हैं। सड़कों पर हुए बड़े-बड़े गड्ढों की वजह से लोगों का पैदल चलना भी मुहाल हो गया है। यातायात जाम की वजह से वाहन चालक समय सहित आर्थिक बबार्दी झेल रहे हैं। गड्ढों में गिरकर लोगों के हाथ पांव टूट रहे हैं।

पवई झील की स्थिति खराब, सफाई की नियमित निगरानी करना आवश्यक

मुंबई : महानगर मुंबई में एकमात्र झील पवई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। मनपा की लापरवाही के चलते पवई झील में कीचड़ और घास-फूस बड़ी मात्रा में जमा हो जाते हैं। आज स्थिति यह है कि जमा कीचड़ और घास-फूस के चलते पवई झील की जल संचयन क्षमता बहुत कम हो गई है। इस वर्ष पवई झील की स्थिति ज्यादा खराब है। मुंबईकरों ने गत दिनों पवई झील का दौरा कर इसकी स्थिति को देखकर चिंता व्यक्त की। मुंबईकरों के अनुसार, इस झील में कीचड़ और प्लास्टिक के कारण प्रदूषण भी बढ़ गया है। बता दें कि पवई झील २५७ एकड़ क्षेत्रफल में पैष्ठली हुई है। इस झील से निकलने वाला पानी मीठी नदी में मिल जाता है। इस पानी का उपयोग मुख्य रूप से आरे कॉलोनी में गौशालाओं के लिए किया जाता है। झील में भारी मात्रा में कीचड़ और घास-फूस जमा हो गए हैं। साथ ही झील के जल संचयन क्षेत्र में भी अतिक्रमण शुरू है। झील में अपशिष्ट पदार्थ बहाया जाता है। दौरे के समय यह भी देखा गया कि इससे प्रदूषण बढ़ रहा है। इस दौरे में मनपा जलकार्य विभाग और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी शामिल हुए।

पवई झील से वर्षा जल चैनलों कीनिकासी अर्थात मीठी नदी में भी बड़ी मात्रा में प्लास्टिक जमा हो गया है। ऐसे में झील की सफाई की नियमित निगरानी करना आवश्यक है। पानी की गुणवत्ता, जलीय जीवन, जैव विविधता की निगरानी नियमित रूप से किए जाने की उम्मीद लोग मनपा से जता रहे हैं। इस दिशा में मनपा के उचित निर्णय से पवई झील का संरक्षण एवं पुनरुद्धार संभव हो सकेगा। पर्यावरणविद डॉ. डोंडे और मुंबई विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्रों ने भी यहां अपनी राय दी है।

लाल रक्त कोशिकाओं से संबंधित एक बीमारी सिकलसेल अभियान

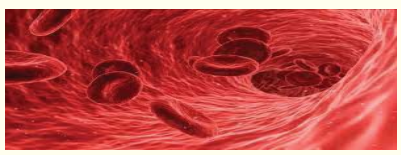

ठाणे : सिकलसेल नामक बीमारी पर नियंत्रण पाने तथा लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए देशभर में राष्ट्रीय सिकलसेल अभियान' चलाया जा रहा है। ठाणे में भी इस अभियान की शुरूआत सिविल अस्पताल के माध्यम से की गई है। अस्पताल में १३७ मरीजों की जांच की गई। जांच में पाए गए मरीज को लाल कार्ड, संदिग्ध को पीला तथा निरोगी को सफेद कार्ड का वितरण किया गया। इस दौरान सिकलसेल से पीड़ित मरीज का वैष्ठसे उपचार करना चाहिए, इसका मार्गदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के माध्यम से राष्ट्रीय सिकलसेल अभियान' पूरे देश में चलाया जा रहा है। ठाणे सिविल अस्पताल के जिला शल्य चिकित्सक डॉ. वैष्ठलाश पवार के मार्गदर्शन में सिकलसेल अभियान के तहत १३७ संदिग्ध मरीजों की जांच की गई। यह जानकारी जिला सिकलसेल समन्वयक डॉ. प्रतिभा निखारे ने दी है। उन्होंने बताया कि ठाणे जिले में सिकलसेल जांच अभियान' वर्ष २००९ से शुरू है।

स्थायी एक्सीडेंट हमाल नियुक्त नहीं होने से कई घायल रेल यात्रियों की जान जाने का सिलसिला जारी

मुंबई : रेलवे दुर्घटना में घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने के उद्देश्य से दिवंगत अशोक आजाद की स्मृति में बनाया गया आजाद स्क्वाड सिर्फ कागज पर ही बना नजर आता है। आजाद स्क्वाड में अभी तक स्थायी एक्सीडेंट हमाल नियुक्त नहीं होने से कई घायल रेल यात्रियों की जान जाने का सिलसिला जारी है। यदि ऐसा है तो इस आजाद स्क्वाड के लिए दिए गए २ करोड़ ७० लाख रुपए कहां गए? रेल कर्मचारियों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

ज्ञात हो कि पश्चिम उपनगरीय रेलवे स्टेशन विलेपार्ले के स्टेशन मास्टर अशोक आजाद की एक रेल दुर्घटना में मौत हो गई थी। वे उस समय रेल दुर्घटना के शिकार हुए थे, जब किसी दुर्घटनाग्रस्त रेल यात्री को बचाने के लिए वे रेलवे ट्रैक पर गये थे और दूसरी ओर से आ रही ट्रेन की चपेट में आ गए थे। घायल अशोक आजाद को यदि समय पर अस्पताल पहुंचाया जाता तो शायद उनकी जान बच सकती थी। लेकिन उन्हें ट्रैक से उठा कर अस्पताल पहुंचाने में देरी हो गई, जिससे उनकी जान चली गई।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस घटना को संज्ञान में लेते हुए आजाद की स्मृति में रेल विभाग द्वारा प्रस्तावित आजाद स्क्वाड बनाने की घोषणा तत्कालीन रेल मंत्री पियूष गोयल ने की थी। जिसमें चर्चगेट से लेकर दहाणू तक के सभी रेलवे स्टेशनों पर एक्सीडेंट हमाल रखने की बात कही गई थी। इस स्क्वाड का खूब प्रचार प्रसार किया गया। मुंबई से प्रकाशित होने वाले एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक ने २४ जनवरी २०१९ के अंक में इसे प्रकाशित किया था। इसके लिए २ करोड़ ७० लाख रुपए के टेंडर भी निकाले गए। लेकिन यह आजाद स्क्वाड कहां है उसका किसी को पता नहीं। वे २ करोड़ ७० लाख रुपए कहां गए यह भी किसी को पता नहीं।

राज्य को उथल-पुथल करनेवाली शक्ति को दरकिनार करके महाराष्ट्र को प्रगति पर लाएंगे - शरद पवार

मुंबई : राज्य को एक बार फिर से सियासी संकट की आग में झोंकनेवाली भारतीय जनता पार्टी पर कल राकांपा प्रमुख शरद पवार जम कर बरसे। उन्होंने कहा कि राज्य में सांप्रदायिक तनाव पैदा किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति बढ़ रही है। मात्र साल-छह महीने भर में चुनाव होनेवाले हैं। इस दौरान सांप्रदायिक प्रवृत्ति वाले लोगों को उनकी असली जगह दिखाने का आह्वान शरद पवार ने उपस्थित जन समुदाय से किया। इसके साथ-साथ राज्य को उथल-पुथल करनेवाली शक्ति को दरकिनार करके महाराष्ट्र को प्रगति पर लाएंगे, ऐसा भी कहा।

बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस में हुई बगावत के बाद से शरद पवार ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है। शरद पवार ने कल यशवंतराव चव्हाण की समाधि स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कराड में शरद पवार के दाखिल होते ही भारी संख्या में राकांपा कार्यकताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर शरद पवार ने भाजपा को देश और राज्य में उथल-पुथल निर्माण करनेवाली प्रवृत्ति की पार्टी का नाम दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इन प्रवृत्तियों को दरकिनार करना होगा।

बारिश से लबालब भरी, मुंबई को पानी सप्लाई करने वाली झीलें

मुंबई : मुंबई में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। भले ही ये बारिश मुंबईकर के लिए परेशानी का कारण बन रहा है, लेकिन इसके बीच मुंबई वालों के लिए एक अच्छी खबर भी है। मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाली सात झीलें 83% भर चुकी हैं। इसका मतलब है कि उनके पास अगले 315 दिनों के लिए पानी का स्टॉक है। मानसून के अंत तक पानी की कटौती के बिना शहर को 365 दिनों के लिए पानी के भंडार की आवश्यकता होती है। मुंबई, ठाणे और नासिक जिलों में स्थित सात झीलें भातसा, ऊपरी वैतरणा, मध्य वैतरणा, तानसा, मोदक सागर, विहार और तुलसी 3800 एमएलडी पानी की आपूर्ति करती हैं।

अजीत पवार समेत 9 सदस्यों को अयोग्य घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष राहुल के समक्ष याचिका

मुंबई : अजीत पवार समेत कुछ विधायकों द्वारा बगावत करने से एनसीपी में फूट पड़ गई है। रविवार को अजीत पवार समेत ९ विधायकों ने शिंदे-फडणवीस सरकार से हाथ मिलाते हुए मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद एनसीपी ने कानूनी कदम उठाया और अजीत पवार समेत ९ सदस्यों को अयोग्य घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के समक्ष याचिका दाखिल की। इस याचिका पर अब नार्वेकर ने प्रतिक्रिया दी है। कल सोमवार की सुबह मीडिया प्रतिनिधियों ने अजीत पवार समेत ९ विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिका को लेकर राहुल नार्वेकर से सवाल किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य जयंत पाटील ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नौ विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की याचिका दायर की है, जिसे मैं पढ़ूंगा। इस मुद्दे पर बारीकी से अध्ययन करके योग्य निर्णय लिया जाएगा।

इस बीच अजीत पवार के पास कितने विधायकों का समर्थन है? उन्होंने कोई पत्र दिया क्या? आपसे संपर्क किया गया क्या? ऐसा सवाल पूछे जाने पर नार्वेकर ने जवाब दिया कि उन्हें नहीं पता कि अजीत पवार को कितने विधायकों का समर्थन प्राप्त है। महाराष्ट्र की राजनीति में गत रविवार २ जुलाई, २०२३ को राकांपा के वरिष्ठ नेता अजीत पवार सहित कुल नौ विधायकों ने ईडी सरकार में शामिल होकर मंत्री पद की शपथ ली। इसके कारण राकांपा में भारी बगावत हुई है। अजीत पवार सहित नौ मंत्रियों ने भाजपा में प्रवेश नहीं किया और न ही किसी गुट की स्थापना की। इसके उल्टे उक्त लोगों ने राकांपा पर दावा किया है। राकांपा के बहुत सारे विधायक हमारे साथ है, ऐसा दावा अजीत पवार ने किया है। इस स्थिति में अजीत पवार के साथ कितने विधायक हैं और शरद पवार के साथ कितने विधायक यह स्पष्ट नहीं हुआ है। इस बीच राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने विधायकों के संदर्भ में सविस्तर जानकारी दी है।

महाराष्ट्र की सियासत की दिलचस्प तस्वीर,

अजित पवार ने दफ्तर में लगाया फोटो तो शरद पवार बोले- 'जिन्होंने धोखा दिया वे...'

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच मंगलवार (4 जुलाई) को अजित पवार ने मुंबई में पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच मंगलवार (4 जुलाई) को अजित पवार ने मुंबई में पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच मंगलवार (4 जुलाई) को अजित पवार ने मुंबई में पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच मंगलवार (4 जुलाई) को अजित पवार ने मुंबई में पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच मंगलवार (4 जुलाई) को अजित पवार ने मुंबई में पार्टी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया. महाराष्ट्र में एनसीपी की बगावत के बाद पैदा हुआ सियासी संकट गहराता जा रहा है.

ईडी दफ्तर पहुंचीं टीना अंबानी, फेमा के 814 करोड़ की हेराफेरी के मामले में पूछताछ...

मुंबई: रिलायंस एडीए ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से जुड़ी जांच के संबंध में पूछताछ के लिए मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं और अपना बयान दर्ज कराया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अनिल अंबानी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धाराओं के तहत सोमवार को मामले में अपना बयान दर्ज कराया और उनके इस सप्ताह के अंत में संघीय एजेंसी के समक्ष पेश होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि दंपति के खिलाफ जांच विदेश में कथित अघोषित संपत्तियों के कब्जे और धन के लेनदेन से जुड़ी है। अनिल अंबानी येस बैंक के प्रवर्तक राणा कपूर और अन्य के खिलाफ धनशोधन मामले में 2020 में ईडी के समक्ष पेश हुए थे। अंबानी (64) पूर्वाह्न करीब 10 बजे दक्षिण मुंबई स्थित संघीय एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और शाम छह बजे वहां से निकले। सूत्रों ने बताया कि 'फेमा' की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एक नये मामले में अंबानी का बयान दर्ज किया गया है। अंबानी, शाम करीब 6 बजे ईडी दफ्तर से बाहर आए। पिछले साल अगस्त में, आयकर विभाग ने स्विस बैंक के दो खातों में जमा 814 करोड़ रुपये से अधिक अघोषित धन पर 420 करोड़ रुपये की कर चोरी करने को लेकर काला धन रोधी कानून के तहत अंबानी को एक नोटिस जारी किया था। बंबई उच्च न्यायालय ने मार्च में, आयकर विभाग के इस कारण बताओ नोटिस पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया था।

मुंबई कोर्ट ने 64 साल के आरोपी को सुनाई 20 साल की जेल...

कहा- बच्चों का यौन शोषण आरोपियों की अमानवीय मानसिकता

मुंबई : बच्चे अपनी कम उम्र और शारीरिक कमजोरियों के कारण आसानी से यौन शोषण का शिकार होते हैं। ऐसे मामले आरोपियों की 'अमानवीय मानसिकता' को पेश करते हैं। मुंबई की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की के साथ हुए यौन उत्पीड़न के मामले की सुनवाई के दौरान ये टिप्पणी की है। साथ ही कोर्ट ने 64 साल के एक आरोपी को 20 साल कैद की सजा भी सुनाई है।

घटना नवंबर 2019 की है, जब 8 साल की पीड़िता आरोपी के घर उसकी पोती के साथ खेलने गई थी। बाद में आरोपी की पोती पास की एक दुकान में चली गई और इसी का फायदा उठाते हुए आरोपी ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया। जब पीड़िता घर लौटी तो उसने पूरी घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद माता-पिता ने बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई कर रही विशेष न्यायाधीश प्रिया बैंकर ने 3 जुलाई को आरोपी को नाबालिग के यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया। जज ने अपने आदेश में कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध के मामलों में वृद्धि हुई है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि बाल यौन शोषण के मामले आरोपियों की अमानवीय मानसिकता को पेश करते हैं। बच्चे अपनी कम उम्र, शारीरिक कमजोरियों, जीवन और समाज की अनुभवहीनता के कारण यौन शोषण का आसानी से शिकार होते हैं। वर्तमान मामले में, पीड़ित लड़की, उसके परिवार और यहां तक कि समाज पर 'बहुत प्रतिकूल प्रभाव' पड़ा है। अब उनकी धारणा यह बन गई है कि घर और आस-पास का इलाका बच्चों के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है। इससे समाज में चिंताजनक स्थिति पैदा हो रही है।

अदालत ने कहा कि यह घटना नाबालिग पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर असर डालने वाली है क्योंकि वह इसे भूलने की स्थिति में नहीं होगी। निश्चित रूप से इस तरह की घटना लोगों के मन में दहशत पैदा करती है और पीड़ित के मन पर लंबे समय तक घाव छोड़ जाती है।

ठाणे में पति बना हैवान.... प्रताड़ित महिला ने की आत्महत्या

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक महिला (22) ने अपने पति द्वारा प्रताड़ित किए जाने के बाद एक खाई में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना शनिवार को हुई। महिला के पति (32) के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है। दंपति की पिछले साल शादी हुई थी। वह शादी के बाद उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर से यहां भिवंडी शहर में रहने आ गए थे। नारपोली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पति महिला से सोने की वस्तुओं की कथित तौर पर मांग करता था और उसे प्रताड़ित करता था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 05 जुलाई 2023

आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के लिए केरलवासियों का योगदान सराहनी : राजनाथ

नई दिल्ली। केंद्र की सत्ताधारी पार्टी बीजेपी केरल में एक राजनीतिक ताकत बनने के लिए लंबे समय से अथक प्रयास कर रही है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मलयाली लोगों को लुभाने की कोशिश में कुछ ऐसा किया कि लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, रविवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अखिल भारतीय मलयाली एसोसिएशन द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें राजनाथ सिंह बतौर अतिथि शरीक कर रहे थे।

इंडियन एक्सप्रेस के कॉलम 'दिल्ली कॉन्फिडेंशियल' की रिपोर्ट के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत में मलयाली अप्रवासियों का मलयालम में गर्मजोशी से अभिवादन किया। यह देखकर वहां लोग खुशी से झूम उठे। मलयालम में रक्षा मंत्री के अभिवादन और शुभकामनाओं ने बैठक में मौजूद मलयाली

समुदाय का दिल जीत लिया।

राजनाथ सिंह ने समारोह में वैश्विक समुदाय के बीच भारत के आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विकास के लिए केरलवासियों के योगदान की सराहना की। सिंह ने कहा, दो मलयाली लोगों ने भारत को धार्मिक और राजनीतिक रूप से एकजुट होने में मदद की। बतौर राजनाथ सिंह, ÷आदि शंकराचार्य जी ने भारत को धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से एकजुट किया, जबकि वीपी मेनन ने सरदार वल्लभभाई पटेल के साथ काम किया और देश को राजनीतिक रूप से एकीकृत किया, जिसके लिए वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियां हमेशा उनका ऋणी रहेंगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि भारत विश्व के समक्ष आज एक राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक शक्ति के रूप में खड़ा है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए सभी लोगों की ओर से सहयोगात्मक प्रयास का आह्वान किया।

मानसून ने 6 दिन पहले पूरे देश को कवर किया

राजस्थान के झालावाड़ में हुई 7 इंच बारिश, 4 लोगों ने जान गंवाई

नई दिल्ली। मानसून रविवार को देशभर में पहुंच गया। ये आमतौर पर 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर करता है, लेकिन इस बार 6 दिन पहले ही देश के सभी हिस्सों में पहुंच गया। IMD के मुताबिक, इस दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से 45 प्रतिशत ज्यादा, तो दक्षिण भारत में 46 प्रतिशत कम बारिश हुई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में बिहार और झारखंड समेत 20 राज्यों में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। राज्यों की बात करें तो बीते 24 घंटों में राजस्थान के झालावाड़ जिले में 7 इंच (180 मिमी) बारिश हुई है। इससे कई छोटी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, फर्रुखाबाद जिले में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 2 सगे भाइयों की जान चली गई। इससे पहले, भारी बारिश के चलते गुजरात के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए।

हरियाणा में कुंवारों को मिलेगी पेंशन

45 से 60 साल उम्र के महिला-पुरुषों को मिलेगा लाभ, सालाना इनकम 1.80 लाख से कम होना जरूरी

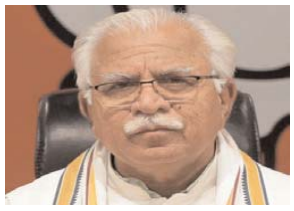

चंडीगढ़। हरियाणा में जल्द कुंवारों को पेंशन मिलेगी। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान 60 साल के अविवाहित बुजुर्ग की मांग पर ष्टरू मनोहर लाल खट्टर ने यह फैसला लिया है। इसका फायदा 45 से 60 साल तक के अविवाहित पुरुषों और महिलाओं को मिलेगा। पेंशन उन्हीं कुंवारों को मिलेगी, जिनकी सालाना इनकम 1.80 लाख से कम होगी। सीएम ऑफिस की तरफ से तैयार रिपोर्ट के मुताबिक इस स्कीम से राज्य के सवा लाख कुंवारों को पेंशन का लाभ मिलेगा। सीएम की इस बारे में अफसरों से मीटिंग हो चुकी है। एक महीने के भीतर हरियाणा सरकार इस स्कीम को लागू करने की तैयारी में है।

पेंशन के रूप में मिल सकते हैं 2750 रुपए

हरियाणा में अभी बुढ़ापा, विधवा, दिव्यांग पेंशन दी जाती है। बौने लोगों और किन्नरों को हरियाणा सरकार आर्थिक मदद देती है। इसके साथ ही सरकार सिर्फ बेटियों वाले माता-पिता में से किसी एक का निधन होने पर 45 से 60 साल तक आर्थिक मदद के रूप में 2,750 रुपए दिए जाते हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक कुंवारों को भी सरकार 2,750 रुपए पेंशन दे सकती है।

10 सालों में 38 अंक सुधरा लिंगानुपात

हरियाणा में कुंवारों के लिए पेंशन शुरू करने को यहां के बिगड़े लिंग अनुपात से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जो पहले काफी खराब रहा है। हालांकि पिछले 10 सालों में हरियाणा के लिंग अनुपात में 38 अंकों का सुधार आ चुका है।

प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को एनसीपी से निकाला गया

अजित पवार ने नई टीम बनाई, तटकरे महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बने

मुंबई। शरद पवार ने सांसद प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे को पार्टी से बाहर कर दिया है। उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने दोनों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए आज ही शरद पवार को चिट्ठी लिखी थी। इस ऐलान के तुरंत बाद वहीं, अजित पवार ने भी NCP की नई टीम बना दी। उन्होंने सांसद सुनील तटकरे को महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। अनिल पाटिल को व्हिप की जिम्मेदारी दी है।

इससे पहले शरद पवार की अगुआई वाली NCP ने अजित पवार के साथ गए सभी विधायकों को अयोग्य घोषित करने का प्रस्ताव पास किया। अजित पवार के शपथ समारोह में भाग लेने गए तीन नेताओं को भी पार्टी से निकाल दिया गया। इनमें पार्टी के क्षेत्रीय महासचिव शिवाजी राव गर्जे, अकोला शहर जिलाध्यक्ष विजय देशमुख और मुंबई डिवीजन के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र राणे शामिल हैं।

NCP में बगावत के बीच शरद पवार सोमवार को गुरु पूर्णिमा के दिन सातारा के कराड में अपने गुरु पूर्व सीएम यशवंत राव चाव्हाण की समाधि पर पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। सातारा में हुई रैली में शरद पवार ने कहा-

भाजपा देशभर में चुनी हुई सरकारों को गिरा रही है। महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हुआ है। महाराष्ट्र की जनता को एकजुट होकर अपनी ताकत दिखानी होगी।

महाराष्ट्र में जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। हमारे कुछ लोग भाजपा का शिकार हो गए। बड़ों के आशीर्वाद के साथ हम नई शुरुआत करेंगे। हमने 5 जुलाई को पार्टी के सभी नेताओं की मीटिंग बुलाई है। मीटिंग में सभी नेता एफिडेविट के साथ आएं। वहां (अजित पवार) खेमे से कई लोगों ने मुझे फोन किया और कहा कि उनकी विचारधारा NCP से अलग नहीं है और वे अगले कुछ दिनों में अंतिम फैसला लेंगे। राज्य में हमारा संगठन मजबूत है।

अजित का फैसला उनका निजी है। उनकी बातों का कोई महत्व नहीं है। हम लोग संघर्ष करेंगे। फिर से पार्टी को खड़ा करेंगे। लोगों का समर्थन हम लोगों के साथ है। जनता का प्यार बना रहा तो पूरी तस्वीर बदल देंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील को उन विधायकों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने का अधिकार है, जिन्होंने कल महाराष्ट्र कैबिनेट में शपथ ली। मेरे पास पहले विधायकों के जाने के 2-3 पुराने अनुभव हैं। आगे नतीजे अच्छे होंगे।

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद का शपथ ग्रहण समारोह अगले महीने

ललितपुर। सर्व ब्राह्मण विकास परिषद की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें पूर्व चेयरमैन जिला सहकारी बैंक, प्रांतीय महामंत्री सर्व ब्राह्मण विकास परिषद अशोक रावत की अध्यक्षता मे हुई। वक्ताओं में अपने अपने विचार प्रकट किए एवं सुझाव एवं सर्वसम्मति से 20 अगस्त 2023 को नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष, महिला जिलाध्यक्ष, युवा जिलाध्यक्ष एवं उनकी जिला टीम का शपथ ग्रहण समारोह करने का निर्णय लिया गया।

सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के द्वारा युवा युवती परिचय सम्मेलन विवाह समारोह एवं पत्रिका के प्रकाशित करने के संबंध में एवं तहसील और न्याय पंचायत स्तर तक सर्व ब्राह्मण विकास परिषद के गठन का निर्णय लिया गया। जिसकी तैयारी जिले एवं तहसील और ब्लॉक के कार्यकर्ताओं को दी गई। बैठक

में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं विप्र समाज के बंधुओं ने भाग लिया। इस बैठक में अशोक रावत, सुबोध गोस्वामी, अरुण गोस्वामी, राजेश लिटोरिया, शिवशंकर नायक, तिलकराम कौशिक, गिरजाशंकर दुबे, रामकुमार दुबे, रामबिहारी दुबे, सौरभ अग्निहोत्री, दिनेश दुबे, राघव शर्मा, डा.दीपक चौबे, किंजल हुण्डैत, श्याम बिहारी, ललितकिशोर तिवारी, रसिक बिहारी मिश्रा, रामकुमार पाठक, सुनील, सुदामा दुबे, सियाराम श्रृंगीऋषि, जयशंकर दुबे, अरविंद कौशिक, अवधबिहारी, महेश तिवारी, रामबिहारी दुबे, अनिल रावत, ब्रजमोहन संज्ञा, जयदेव तिवारी, रमेश पटेरिया, हरीबाबू शर्मा, पवन तांत्रिक, प्रदीप रिछारिया, राममूर्ति, जगदीश पुरोहित, धर्मेंद्र पाठक, परसोत्तम चौबे, दीपेश चौबे, दिवाकर गोस्वामी, मातृशक्ति में लक्ष्मी रावत, नेहा, रितु समाधिया, रीना शर्मा, प्रेरणा शर्मा, सविता मिश्रा, रचना तिवारी, ललितेनद्र बबेले, प्रतिभा, ममता तिवारी, अर्चना रावत, राजकुमारी दुबे, सीमा दुबे आदि उपस्थित रहे। क्षेत्रीय अध्यक्ष अजय रावत ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ब्लॉक स्तरीय प्लेसमेन्ट कैम्प स्थगित

ललितपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि पूर्व में 10 से 19 जुलाई 2023 ब्लॉक स्तर पर प्लेसमेन्ट कैम्प आयोजित कराये जाने सम्बंधी विज्ञप्ति जारी की गई थी, परन्तु चयन प्रक्रिया में धोखाधड़ी सम्बंधी आपत्तिजनक वीडियो प्राप्त होने के कारण इस संवेदनशील प्रकरण को जनहित में आवश्यक मानते हुये तत्काल प्रभाव से ब्लॉक स्तर पर प्लेसमेन्ट कैम्प का आयोजन निरस्त किया गया है।

हाथों में पौधों को लेकर निकाली बारात, धरती को हरा-भरा बनाने का लिया संकल्प

ब्लाक के विभागों ने सम्मिलित होकर बैंड डीजे बाजे के साथ निकाली कलश यात्रा जागरूक रैली

गोष्ठी का हुवा आयोजन एस एच जी की महिलाओं ने किया प्रतिभाग

मड़ावरा।मड़ावरा में सोमवार को वन महोत्सव महाअभियान का आयोजन वन विभाग द्वारा आयोजित किया गया।जिसमें व्लाक मड़ावरा के अधिकांश विभागों के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कलश यात्रा गोष्ठी कर सामूहिक रूप से जागरूक रैली निकाल कर लोगो को जागरूक किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभागीय बन अधिकारी गौतम सिंह रहे।रैली में डीजे की धुन पौधे लगायो वन बचायो हरियाली लायो गीतों पर लोग थिरकते नजर आये।सत्र 23 क्षेत्र में लगभग सैंतीस लाख वन विभाग की तरफ से पौध रोपण किए जाने का लक्ष्य है और वहीं अन्य विभाग द्वारा भी हर ग्राम पंचायत में पौध रोपण किए जाएंगे । 1 जुलाई से लेकर 7 जुलाई तक चल रहे वन महोत्सव में वन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। यहां गांव से लेकर शहर तक पौधों को रोपने की धूम मची है। लोगों में उत्साह और उल्लास काफी देखने को मिल रहा है।यहां स्कूल-कॉलेजों, संस्थानों सरकारी कार्यालयों व गांवों तक लोग पौधरोपण के लिए आगे आ रहे हैं। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं। सुरक्षित कल के लिए लोगों ने हाथों में पौधों को लेकर पूरे कस्बे में पूरे जोर शोर एवं बैंड बाजे के साथ बरात निकाली और धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।वहीं सरस्वती मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र छात्राओं

ने भी बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया। विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अपने अपने हाथों में पौधों को पकड़े हुए थे वहीं कुछ छात्र छात्राएं अपने हाथों में बैनर लेकर नारे लगाते हुए लोगों को पर्यावरण के प्रति प्रेरित कर रहे थे ।

खण्ड विकास अधिकारी मड़ावरा सौरभ कुमार बर्नवाल ने सभी को जागरूक करते हुए बताया कि हम भोजन के बिना तो कुछ दिन जीवित रह सकते हैं, लेकिन ऑक्सीजन के बिना हम एक मिनट भी जीवित नहीं रह सकते। और ऑक्सीजन हमें तभी मिल सकती जब हम अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे। इसलिए सभी लोग जहां छोटे पेड़ पौधों को देखें तो उसे उखाड़े नहीं, बल्कि गर्मियों के मौसम में उनमें पानी डालें और पौधों का संरक्षण करें, क्योंकि पौधे ही हमें ऑक्सीजन देते हैं, जिससे हम सांस लेते हैं। उन्होंने कहा कि आप लोग देखते होंगे कि अब आपको आम, अमरूद, खजूर, जामुन, बेर, आंवला, बेल, सहतूत, इमली, और लीची जैसे फल बहुत कम देखने को मिलते हैं। इसका कारण है अंधाधुंध पेड़ों की कटाई। जब पेड़ लगेंगे तो फल मिलेंगे और फल के सेवन से स्वस्थ शरीर होगा।

वहीं ब्लाक प्रमुख चंद्र दीप रावत ने लोगों से पेड़ लगाने की अपील की और उन्होंने बताया कि पेड़-पौधे मनुष्य का जीवन हैं।वह हमारे लिए ऑक्सीजन देते हैं। परिवार की तरह पौधों को पालना चाहिए। इसमें सभी लोग अपने-अपने घरों के आसपास पौधारोपण करें।

वहीं वन क्षेत्र अधिकारी मड़ावरा ने कहा कि स्वच्छ वातावरण के लिए सभी को सघन पौधरोपण करने की आवश्यकता है। ये हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम अपने बच्चों को शुद्ध वायु व हरा-भरा परिवेश उपलब्ध कराएं। सरकार हर वर्ष करोड़ों पेड़ लगवा रही है तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम भी इसका एक हिस्सा बने और इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अपने अपने घर पर ब्रक्ष लगाएं एवं जंगल को बीरान होने से बचाएं।मंत्री प्रतिनिधि कैलाश साहू मोदी ने कहा कि इसके संरक्षण के लिए हम सभी को मिलजुल कर प्रयास करना होगा तभी हम स्वस्थ वातावरण की कल्पना को साकार कर सकते हैं।

शिक्षक भर्ती नियम में परिवर्तन पर सरकार के प्रति नाराजगी

सीधी। मध्यप्रदेश शिक्षक भर्ती अब रहस्यमय बनकर रह गया है जहां कि पहले आदेश कुछ और होता है लेकिन बाद में आदेश का परिवर्तन हो जाने से समूचे जिले के शिक्षकों में काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। बताया गया है कि इस मामले में सरकार लोक शिक्षण संचालनालय की इस रहस्यमयी नीति को लेकर शिक्षक भर्ती में जो आदेश जारी हुआ इससे शिक्षा जगत को कलंकित करने का काम किया जा रहा है। जिस वजह से युवाओं में काफी नाराजगी बनी हुई है। चुनाव का वक्त है यदि अभी भी सरकार नहीं चेती तो इसका खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ सकता है। कारण यह कि जो आदेश पहले दिया गया था उसे परिवर्तन करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश शिक्षक भर्ती वर्ग 3 वर्ष 2020 की भर्ती प्रक्रिया के तहत पहले चरण के अभ्यार्थियों को ज्यादा उम्र में तीन वर्ष का लाभ देकर नौकरी दी गई जबकि इस भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के अभ्यार्थियों को ज्यादा उम्र में छूट का लाभ न दिया जाना अपने आप में एक रहस्य है। लोक शिक्षण संचनालय की इस रहस्यमयी नीति का शिकार शिक्षक बनते दिख रहे

पात्रता परीक्षा की समयावधि को मान्य करें सरकार

हैं। सैकड़ों उम्मीदवारों ने 30 जून को जारी शाला विकल्प चयन सूची में अपना नाम न होने से निराशा जताई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मैरिट सूची के आधार पर कुछ उम्मीदवारों को शिक्षक भर्ती वर्ग 3 में ज्यादा उम्र सीमा में कोविड-19 के कारण छूट का लाभ दिया गया है जबकि इसी भर्ती परीक्षा एवं मैरिट सूची के अगले क्रम में आने वाले उम्मीदवारो को भर्ती नियम का नया पाठ पढ़ाकर उम्र सीमा का लाभ नहीं दिया गया यहां तक कि उनकी पात्रता को अपात्रता में बदलकर भर्ती प्रक्रिया में सैकड़ों लोगों को बाहर का रास्ता दिखाने का काम किया गया है। जिससे इस पात्र में शामिल सैकड़ों की संख्या में सीधी सहित पूरे प्रदेश में हजारों की संख्या में बेरोजगारों को काफी हताशा दिख रही है। कही न कहीं सरकार एवं शिक्षा विभाग की इस नीति का विरोध भी अब शुरू हो गया है।

शिक्षा नीति में शिक्षकों के साथ भेदभाव उचित नहीं

निश्चित रूप से शिक्षा नीति की जो गाइडलाइन पहले जारी की गई वर्ष 2020 में गाइडलाइन के तहत जो नीति बनाई गई थी उसके तहत फेरबदल होना सरकार की नाइंसाफी मानी जाती है। कही न कहीं उनकी कमजोरी एवं प्रदेश के हजारों युवाओं के साथ छलावा करने का काम सरकार कर रही है। वैसे भी समूचे प्रदेश सहित जिले भर में युवाओं को नौकरी के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। लेकिन शिक्षा विद से जुडे लोगों के साथ इस तरह का भेदभाव, दो तरफा राजनीति कदापि उचित नहीं है। जिसका विरोध अब हर जगह हो रहा है। चुनाव के दौरान ऐसा हथकंडा अपनाना कादापि उचित नही है। चुनाव ही नहीं बल्कि जो भी नियम इस मामले में जारी हुआ था उसका फालोअप करना सरकार के लिए जरूरी होता है। कोविड के पहले यह नियम जारी हुआ इसके बाद फिर अचानक बदलाव करने की क्या जरूरत आई। ऐसे में हजारों शिक्षक आज यह उम्मीद लगाए थे कि उन्हे लाभ मिलेगा लेकिन उम्र में छूट का लाभ न दिया जाना यह सरकार की तानाशाही रवैया मानी जा सकती है।

वार्डों में सुलभ होगा कचरा संग्रहण, शहर को मिले छह नए कचरा वाहन, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अब कचरा टीपरों की संख्या बढ़कर हुई 24, तेजी से होगा काम

सारनी। नगर पालिका परिषद सारनी को छह नए कचरा वाहन (टीपर) मिले हैं। रविवार से शहर में इनका संचालन भी शुरू हो गया हैं। नगर पालिका अध्यक्ष, किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार व अन्य अतिथियों ने नए कचरा वाहनों की विधिवत पूजा कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शहर के वार्डों में घरों से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्रित करने के लिए नगर पालिका कचरा वाहन यानी हाईड्रोलिक टीपरों का उपयोग करती है। अब तक नगर पालिका के पास 18 कचरा वाहन थे, लेकिन सभी 36 वार्डों तक पहुंच में यह नाकाफी साबित होते थे। कमी को देखते हुए 6 नए वाहन खरीदे गए।

नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे, उपाध्यक्ष जगदीश पवार, विधायक प्रतिनिधि रंजीत सिंह, पार्षद मनोज ठाकुर, योगेश बर्डे, प्रवीण सोनी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सी. के. मेश्राम, सेनेटरी इंस्पेक्टर केके भावसार, विनायक बागड़े, सुखदेव बोरपी, जीएस पांडे, राजेश वागद्रे, विनय मदने, अजय साकरे, कृष्णा साहू समेत अन्य लोगों की मौजूदगी में वाहनों का पूजन कर उन्हें हरी झंडी दिखाई गई। रविवार से ये टीपर वार्डों में पहुंच गए। सेनेटरी इंस्पेक्टर केके भावसार ने बताया कि सुबह एवं शाम को सभी टीपरों को चलाकर कचरा संग्रहित किया जा रहा है।

गुरु जैसा नाही कोऊ देवा जिस मस्तक भाग सो लागा सेवा

आगरा ! गुरु पूर्णिमा पर प्राचीन गुरद्वारा साहिब गुरु नानक संत सभा ताजगंज आगरा पर गुरु पूर्णिमा को समर्पित कीर्तन दरबार सजाया गया कीर्तनकार वीर हरजिंदर सिंह ने अमृतमय गुरुवाणी शब्द कीर्तन कथा से गुरु की महिमा का वखान किया भाई हरजिंदर सिंह जी ने बताया गुरु बिना ज्ञान नहीं ज्ञान बिना जीवन नही मिलता जो अमृतवेले उठकर प्रभु का सिमरन करते हैं उन्हीं को गुरु के सच्चे मार्ग की प्राप्ति होती है गुरु जैसा नाही को देव जिस मस्तक भाग सो लागा सेव,,,ऐसे गुर को बल बल जाइए आप मुकत मोहे तारे, बाणी गुरु गुरु है बाणी विच बाणी अमरित सारे, परिवार सहित

संगतों ने गुरु घर पहुँचकर गुरु घर की खुशियां ली ज्ञानी जोगिंदर सिंह द्वारा अरदास हुकमनामा उपरांत सभी धर्म प्रेमियों ने गुरु का अटूट लंगर प्रसाद ग्रहण किया प्रधान ब्रज मोहन अरोड़ा, राजू सलूजा श्याम भोजवानी भगत सिंह सिद्धार्थ अरोड़ा, शंकरलाल आसवानी ,विजय मोटवानी, रविंद्र ओबरॉय,त्रिलोचन सिंह, संदीप अरोड़ा, अमरजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

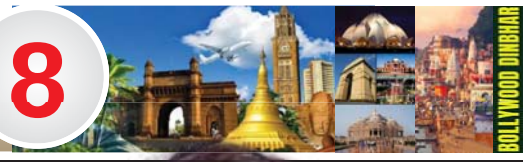

बियॉन्से के कॉन्सर्ट में पहुंचीं नोरा, सिंगर को अपने सामने देख रो पड़ी एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इसी बीच नोरा ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह हॉलीवुड सिंगर बियॉन्से के कॉन्सर्ट में पहुंचीं है। बता दें, बियॉन्से इन दिनों 'The Refissfce' वर्ल्ड टूर पर हैं। ऐसे में नोरा अपने दोस्त और हेयर स्टाइलिस्ट मार्से पेड्रोजो के साथ इस इवेंट में पहुंचीं। नोर बियॉन्से के इस कॉन्सर्ट को लेकर कितना एक्साइटेड थीं, इसका नजारा भी उन्होंने खुद दिखाया है।

बता दें, नोरा फतेही बियॉन्से की बहुत बड़ी फैन हैं। ऐसे में सिंगर को अपने इतने करीब देख एक्ट्रेस खुद पर कंट्रोल नहीं कर पाई और रोने लगी। वीडियो में देख सकते हैं जैसे की स्टेज पर बियॉन्से की एंट्री होती है। तो नोरा खुशी के मारे जोर-जोर से चिल्लाती है और फिर इमोशनल होती नजर आती है।

हंसिका मोटवानी को लेकर उनके को स्टार ने दिया कंट्रोवर्शियल स्टेटमेंट

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री हंसिका मोटवानी की फिल्म का उनके फैंस को खासा इंतजार रहता है। एक्ट्रेस बतौर चाइल्ड कलाकार अपने करियर की शुरूआत कर चुकी हैं। बड़े होने पर उन्होंने बॉलीवुड और फिर साउथ सिनेमा की ओर रुख किया। हंसिका की इमेज उनके फैंस के बीच प्यारी और खूबसूरत एक्ट्रेस की है। हाल ही में एक्ट्रेस को लेकर तमिल एक्टर रोबो शंकर ने ऐसा स्टेटमेंट दिया,जिसे सुनने के बाद एक्ट्रेस के फैंस का गुस्सा सातवें आसमान पर है।

हंसिका मोटवानी तमिल फिल्म ह्यपार्टनरह्ल में देखी जाएंगी। इस मूवी में उनकी जोड़ी आधी पिनीशेट्टी के साथ बनी है। रीसेंट्ली चेन्नई में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें हंसिका मोटवानी के साथ ही पूरी स्टार मौजूद थी। इस दौरान फिल्म का अहम हिस्सा बने रोबो शंकर को स्टेज पर बुलाया गया। उन्होंने फिल्म से जुड़ी स्पीच दी, लेकिन इस स्पीच में उन्होंने हंसिका को लेकर एक ऐसी बात बोली, जो कि अब हर जगह वायरल हो रहा है।

रोबो शंकर ने कहा कि एक सीन के दौरान उन्हें हंसिका के पैर छूने थे। लेकिन हंसिका ने उन्हें ऐसा नहीं करने दिया। यहां कर कि अपने पैर का अंगूठा तक नहीं छूने दिया। लेकिन जब फिल्म के हीरो आधी के ऐसा करने की बारी आई, तो उन्होंने कोई ऑब्जेक्शन नहीं किया। उन्होंने कहा कि हीरो होने का फायदा होता है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com ,